

राज्य में 'पटना' के पास स्थित है, प्राचीन 'गिरिव्रज' जहाँ मगध की राजधानी थी।

राजघड़ियाल पुं. (तद्.) प्राचीन मध्ययुग में राजभवन तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों में समय की सूचना देने के लिए प्रत्येक प्रहर के पश्चात् बजाया जाने वाला एक बड़ा घंटा।

राजचंपक पुं. (तत्.) पुन्नाग का सुंदर पुष्प।

राजचिह्न पुं. (तत्.) 1. राजा की पहचान बताने वाले चिह्न, राजा के चिह्न 2. छत्र, चँवर, सिंहासन, मुकुट और राजदंड ये पाँच राजा के चिह्न होते हैं जिन्हें राजा ही धारण कर सकता है।

राजछत्र पुं. (तत्.) सोने-चाँदी आदि से निर्मित एक राजचिह्न जो राजा के सिर के ऊपर छाता या छतरी के रूप में लगा होता है।

राजजंबू पुं (तत्.) 1. बड़ा जामुन (फल) 2. पिंडखजूर।

राजजुहारी स्त्री. (तत्.+तद्.) व्यक्तियों के मिलने पर एक प्रकार का अभिवादन जिसमें एक दूसरे को "राम-राम" या "जै राम जी की" बोला जाता है।

राजतंत्र पुं (तत्.) एक प्रकार की वह शासन प्रणाली जिसके अंतर्गत देश या राज्य का शासन राजा के हाथ में होता है अर्थात् राजा ही सर्वोच्च शासक होता है उदा. पहले नेपाल देश में यह व्यवस्था लागू थी।

राजत वि. (तत्.) 1. जो रजत से संबंधित हो 2. चाँदी का बना हुआ पुं चाँदी, अ.क्रि. (देश.) 1. सुशोभित होना 2. विराजना जैसे- राजत कुंडल लोल।

राजतरंगिणी पुं. (तत्.) कश्मीर निवासी ग्याहरवी बारहवीं शती के इतिहासकार एवं संस्कृत कवि कल्हण की प्रसिद्ध रचना जिसमें महाभारत काल से 12 वीं शती ई. तक के कश्मीर के इतिहास का अत्यंत सरस तथा प्रभावपूर्ण वर्णन है, यह कश्मीर के इतिहास व तथ्यों को जानने का महत्वपूर्ण ग्रंथ है।

राजतिलक पुं. (तत्.) 1. राजसिंहासन पर असीन होते समय नए राजा को गुरु या पुरोहित द्वारा लगाया जाने वाला विशेष तिलक 2. नए राजा को राज्य का उत्तरदायित्व या अधिकार पूर्ण सत्ता सौंपने के रूप में किया जाने वाला विशेष कार्यक्रम, उत्सव।

राजत्व पुं. (तत्.) 1. राजा होने की अवस्था या भाव 2. राजा का पद 3. राजा का कर्म।

राजदंड पुं (तत्.) 1. राजाज्ञा 2. राजा द्वारा विधानानुसार अपराधियों को दिया जाने वाला दंड 3. राजा के द्वारा हाथ में धारण किया जाने वाला चाँदी या सोने आदि का एक छोटा डंडा जो राजशाही का प्रतीक होता है।

राजदंत पुं. (तत्.) 1. मुख में सामने बीच के नीचे और ऊपर के दो-दो बड़े दाँत 2. बीच का वह दाँत जो अन्य दाँतों से बड़ा होता है 3. चौका।

राजदया स्त्री. (तत्.) 1. किसी बंदी या अपराधी को प्राणादंड आदि कठोर दंड, सजा दिए जाने का आदेश मिलने पर उसके प्रति राजा या प्रमुख शासक द्वारा क्षमायाचना स्वीकार करते हुए दया का भाव प्रदर्शित करना 2. कठोरदंड प्राप्त किसी बंदी के प्रति राजा का क्षमाभाव।

राजदूत पुं. (तत्.) 1. किसी राज्य या राष्ट्र के द्वारा दूसरे राज्य या राष्ट्र में नियुक्त उच्च राजनयिक प्रतिनिधि 2. किसी राज्य या राजा की ओर से संधि, विग्रह, या किसी नैतिक कार्य आदि से संबंधित संदेश लेकर किसी अन्य राज्य में भेजा जाने वाला व्यक्ति या प्रतिनिधि।

राजदूतावास पुं. (तत्.) 1. राजदूत के लिए बना आवास जहाँ रहकर वह अपने दायित्व का निर्वाह करता है 2. राजदूत का निवास-स्थान।

राजदूर्वा स्त्री. (तत्.) हरी-भरी पत्तियों तथा मोटे कांडों वाली दूब, गाँडर।

राजदेय पुं. (तत्.) 1. राजा या शासक के द्वारा किसी विद्वान, संत, याचक, अनाथ आदि के लिए दी जाने वाली भूमि, संपत्ति आदि 2.